

00465

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

December, 2017

**MES-051 : PHILOSOPHICAL AND
SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note : All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the meaning and characteristics of education. Discuss how training, instruction and indoctrination are related to and distinct from education.

OR

Differentiate between rationalist and empiricist view points about knowledge. Discuss how Piaget's approach to knowledge is a synthesis of 'clean slate' and 'flowering seed' approaches.

2. Answer the following question in about 600 words :

"The function of school lies in both the maintenance and renewal of social structure and in the transmission and development of culture". Discuss the statement with appropriate examples.

OR

Explain how education has played a significant role in bringing about social change in India. Support your answer with suitable examples.

3. Answer **any four** of the following questions in about **150** words each :
- (a) Explain how axiology influences the practice of education. Give suitable examples.
 - (b) Explain the concept of de-schooling as proposed by Ivan Illich and also give its rationale
 - (c) Explain school as a social structure with arrangement of roles and statuses.
 - (d) Discuss the merits and the demerits of decentralization of education.
 - (e) How do school systems work upon and enhance cultural capital brought by students ? Explain.
 - (f) Discuss how globalisation has impacted education system in India.
4. Answer the following question in about **600** words :
- Critically analyse the commonalities and differences between Indian and Western thinkers with regard to their educational thoughts, aims of education and methods of teaching and learning.
-

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2017

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाज
शास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
शिक्षा के अर्थ एवं विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। प्रशिक्षण,
निर्देशन और शिक्षा देना किस प्रकार शिक्षा से सम्बन्धित व
भिन्न हैं? चर्चा कीजिए।

अथवा

ज्ञान के विषय में विवेचनावादी/तर्कणावादी/तर्कबुद्धिपरक/
युक्तिवादी (Rationalist) और अनुभववादी (Empiricist)
विचार बिन्दुओं (view points) में अन्तर स्पष्ट कीजिए। पियाजे
का ज्ञान उपागम एक पूर्वाग्रह मुक्त (clean slate) और बीज
पुष्पण (Flowering seed) उपागमों का संश्लेषण किस प्रकार
है? चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
“विद्यालय का कार्य सामाजिक ढाँचे के अनुरक्षण
(Maintenance) और नवीनीकरण (Renewal) और संस्कृति
के संचरण/प्रसारण (Transmission) और विकास दोनों में
निहित है।” इस कथन की उपयुक्त उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए।

अथवा

भारत में शिक्षा ने सामाजिक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका किस प्रकार अदा की है? व्याख्या कीजिए। अपने उत्तर की पुष्टि उपयुक्त उदाहरणों द्वारा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) दीजिए :
- मूल्यमीमांसा (Axiology), शिक्षाभ्यास/शिक्षाव्यवहार (Practice of Education) को किस प्रकार प्रभावित करती है? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा व्याख्या कीजिए।
 - ईवान इलिच (Ivan Illich) द्वारा प्रस्तावित अविद्यालयीकरण (Deschooling) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसके मूलाधार/तर्काधार (Rationale) भी बताइये।
 - भूमिकाओं (Roles) एवं महत्व/स्थितियों (Statuses) के क्रमविन्यास/व्यवस्था/आयोजन (Arrangement) के साथ विद्यालय की एक सामाजिक ढाँचे के रूप में व्याख्या कीजिए।
 - शिक्षा के विकेन्द्रीकरण के गुणों एवं दोषों की चर्चा कीजिए।
 - विद्यालय व्यवस्था किस प्रकार कार्य करती है और विद्यार्थियों द्वारा नीत सांस्कृतिक पूँजी/निधि (cultural capital) को बढ़ाती है? व्याख्या कीजिए।
 - भारत में वैश्वीकरण ने शिक्षा व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया है? चर्चा कीजिए।
4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मध्य सर्वनिष्ठताओं/सर्वमान्यताओं (commonalities) और अन्तरों (differences) का उनके शैक्षिक विचारों, शिक्षा के उद्देश्यों और शिक्षण-अधिगम विधियों के सन्दर्भ में समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए।